

पञ्जाब क्रिसरी
28-11-2025

भारतीय ज्ञान प्रणाली शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा : डॉ. रोहित दत्त

जी.एम.एन. कॉलेज के प्राध्यापकों ने स्कूली विद्यार्थियों को दिया वैदिक गणित पर विस्तृत व्याख्यान

अम्बाला, 27 नवम्बर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज के प्राध्यापकों द्वारा ज्ञान प्रणाली के विस्तार एवं शैक्षणिक विस्तार की पहल के अंतर्गत मेजर आर.एन. कपूर डी.ए.वी. स्कूल तथा डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल अम्बाला छावनी में वैदिक गणित पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों को ज्ञान प्रणाली आई.के.एस. से परिचित कराना तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में उपलब्ध भविष्य के करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करना था। इस संयुक्त सत्र में विद्यार्थियों ने बड़-चढ़ कर भाग लेकर वैदिक गणित की त्वरित गणना विधियों तथा उनसे जुड़ी तर्कशक्ति का लाभ उठाया।

अपने संदेश में जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने दोनों स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। डॉ. दत्त ने कहा कि भारतीय ज्ञान



मेजर आर.एन. कपूर डी.ए.वी. स्कूल में विद्यार्थियों को वैदिक गणित पर व्याख्यान देने पहुंचे जी.एम.एन. कॉलेज के प्राध्यापक।

(चंदमोहन)

प्रणाली शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और वैदिक गणित जैसी विधियां न केवल विद्यार्थियों की गणना क्षमता में वृद्धि करती हैं, बल्कि उनकी तर्कशक्ति और रचनात्मक सोच को भी सुदृढ़ करती हैं।

कॉलेज के प्राध्यापकों ने ज्ञान प्रणाली पर प्रेरक एवं सूचनात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें भारत के प्राचीन गणितीय नवाचार, रसायन

शास्त्र, भौतिक विज्ञान प्रणालियों पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को यह बताया गया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली आज भी आधुनिक शिक्षा, अनुसंधान एवं राष्ट्र निर्माण में अत्यंत प्रासंगिक है। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास तथा उच्च शिक्षा के महत्व के बारे में भी अवगत कराया गया।

मेजर आर.एन. कपूर डी.ए.वी.

स्कूल के प्रधानाचार्य जयदेव शर्मा एवं डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल अम्बाला छावनी की प्रधानाचार्या सीमा दत्त ने जी.एम.एन. कॉलेज द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की शैक्षिक गतिविधियां विद्यार्थियों को सही शैक्षणिक एवं करियर दिशा प्रदान करती हैं।